

हायर सेकेण्डरी परीक्षा, दिसम्बर-2021

आदर्श उत्तर

110

विषय : इतिहास

Subject: HISTORY

-
- उ.1 बहुविकल्पीय उत्तर – (5)
- (1) (स) प्रभावती गुप्त
 - (2) (अ) दस
 - (3) (ब) प्राय-द्वीपीय भारत
 - (4) (अ) रवीन्द्र नाथ टैगोर
 - (5) (अ) रोलेक्ट एक्ट
- उ.2 रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए – (5)
- (1) अलेक्जेंडर कनिंघम
 - (2) रुद्र दामन
 - (3) विजयनगर
 - (4) अकबर
 - (5) दिसम्बर 1946 ई.
- उ.3 एक शब्द या एक वाक्य में उत्तर दीजिए – (5)
- (i) 375 से 400 तक
 - (ii) रामराय के
 - (iii) 1930 ई.
 - (iv) आर. वी. धुलेकर
 - (v) 26 जनवरी 1950 ई.
- उ.4 सही जोड़ी बनाईए – (5)
- | (अ) | (ब) |
|-----------------------|---|
| (1) पियदस्सी | (iii) अशोक की उपाधि |
| (2) करइक्काल अम्मइयार | (iv) नयनार संत |
| (3) विट्ठल | (ii) विष्णु का एक रूप |
| (4) बेगम हजरत महल | (v) लखनऊ |
| (5) चंपारण और खेड़ा | (i) अंग्रेजों के विरुद्ध किसान आंदोलन हुए |

उ.5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सत्य या असत्य में दीजिए –

(5)

- (i) सत्य
- (ii) असत्य
- (iii) सत्य
- (iv) सत्य
- (v) सत्य

उ.6 (1) मृदभांड

(2)

- (2) शंखों के छल्ले
- (3) मनके
- (4) आभूषण

अथवा

उ.6 हड़प्पा सभ्यता के लोगों के शिल्प कार्य –

- (1) मनके बनाना
- (2) शैल काटना
- (3) धातु कार्य
- (4) मोहरें बनाना
- (5) बांट बनाना आदि थे।

उ.7 (i) जहां सत्ता, पुरुषों के एक समूह के हाथ में रहती है समूह शासन कहलाता है। गणराज्यों में इसी प्रकार की शासन व्यवस्था थी।

(2)

(ii) यह प्राचीन भारत का प्रजातान्त्रिक शासन था और शासन के सभी कार्य सर्वसहमति से कराए जाते थे।

अथवा

उ.7 चोल प्राचीन भारत का राजवंश है चोल शासकों द्वारा स्थापित राज्य को मध्यकाल के प्रारंभ में 'चोल मंडलम' कहा जाता था। चोल राज्य, पेन्नार और बेलार नदियों के मध्य में पाण्ड्य राज्य के उत्तर पूर्व में स्थित था प्रारंभ में इसकी राजधानी तिरुचिरापल्ली में उरैभूर थी चोल वंश के शासकों में 'करिकाल' सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण शासक था।

- उ.8 (i) ऋषियों की वंश-परम्परा (2)
- (ii) विवाह के पश्चात् स्त्रियों के गोत्र की पहचान पति के गोत्र से होना और अन्त विवाह की मान्यता का न रहना। एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे।

अथवा

उ.8 महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण 1919 में प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वी एस सुकधाकर के नेतृत्व में शुरू हुआ।

- उ.9 (i) अवध को बंगाल आर्मी की पौधशाला कहा गया है। (2)
- (ii) बंगाल आर्मी के अधिकांश सिपाही अवध और पूर्वी उत्तर प्रदेश के गांवों से भर्ती होकर आए थे। उनमें अधिकांश ब्राह्मण या ऊंची जाति के थे।

अथवा

- उ.9 (i) अवध के अधिग्रहण के कारण ताल्लुकदार तबाह हो गये उनकी जागीरें और किले छीन लिये गये। कई पीढ़ियों से उनकी जमीन और सत्ता पर अपना कब्जा था।
- (ii) ताल्लुकदारों की सेना समाप्त कर दी गई। पहले इनके पास हथियार बंद सिपाही होते थे उनके दुर्गों को ध्वस्त कर दिया गया।

उ.10 भारतीय संविधान सभा के छः प्रमुख सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं – (2)

- (1) पं. जवाहर लाल नेहरू
- (2) सरदार वल्लभ भाई पटेल
- (3) डा. भीमराव अम्बेडकर
- (4) के. एम. मुंशी
- (5) डा. राजेन्द्र प्रसाद
- (6) अल्लादि कृष्णास्वामी अय्यर

अथवा

उ.10 भारतीय संविधान दिसम्बर 1946 से नवम्बर 1949 के मध्य सूत्रबद्ध किया गया था।

उ.11 ऐसे अनेक स्थल थे जिन्हें पवित्र माना जाता था इन स्थलों पर महात्मा बुद्ध से संबंधित अवशेषों या अस्थियों दबायी गई है। टीलेनुमा इन स्तूपों की बुद्ध धर्म का प्रतीक मानकर पूजा की जाती थी। (3)

इन स्तूपों का निर्माण दान द्वारा किया गया था दान देने वालों में राजा, शिल्पकार और व्यापारी आदि शामिल थे। इनमें कुछ पुरुष – महिलायें – मिश्रक और मिश्रुणियां भी थी। आरंभ में स्तूप अर्द्धगोलाकार रूप में जमाई गई मिट्टी के बनाए जाते थे। इसे अंड भी कहते थे। अंड के ऊपर हर्मिक बनने लगी थी हर्मिका से एक मस्तूल निकलता था जिसे यष्टि कहते थे। स्तूप के चारों ओर पेदिका होती थी। सांची और मरहूत के स्तूपों में तोरणद्वार और वेदिकायें हैं। ये बांस या लकड़ी के घेरे होते थे।

अथवा

उ.11 अमरावती के एक स्थानीय राजा, जो एक मंदिर का निर्माण करना चाहते थे, अचानक उन्हें स्तूप के अवशेष दिखे उन्हें लगा शायद इस पहाड़ी में कोई खजाना छिपा हो अतः उन्होंने वहां से पत्थरों को निकालवा कर मंदिर में इस्तेमाल किया। 1850 के दशक से ही अमरावती के उत्कीर्ण पत्थर अलग-अलग स्थानों पर ले जाए जाने लगे। हर नया अंग्रेज अधिकारी यह कहकर मूर्तिया उठा ले जाता था कि उसके पूर्व के अधिकारियों ने भी ऐसा ही किया इस तरह अमरावती की महत्त्वपूर्ण छरोहर नष्ट हो गयी। वर्तमान में अमरावती का स्तूप केवल एक छोटा सा टीला है।

- उ.12 (i) शरिया मुस्लिम कानून है मुस्लिम समुदाय को निर्देशित करने वाला कानून है यह कुरान और हदीस पर आधारित है। (3)
- (ii) हदीस पैगम्बर सहाब से जुड़ी परम्परायें हैं। इनके अंतर्गत उनके स्मृत शब्द और क्रियाकलाप आते हैं।
- (iii) जब अरब क्षेत्र से बाहर इस्लाम धर्म से भिन्न आचार विचार वाले देशों में इस धर्म का प्रसार हुआ तो शरिया में कियास और इजमा को भी कानूनी स्रोत मान लिया गया।
- (iv) इस प्रकार कुरान, हदीस कियास और इजमा से शरिया का अभ्युदय एवं विकास हुआ।

अथवा

उ.12 सूफी सम्प्रदाय और भक्ति सम्प्रदास के विचारों में समानतायें –

- (1) एकेश्वरवादी – ईश्वर एक है
- (2) मानवतावादी – मानव की सेवा ही धर्म है
- (3) गुरु की प्रधानता – दोनों ने गुरु को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया।
- (4) जाति प्रथा का विरोध – दोनों ने मिलकर रहने और एक दूसरे की मदद करने का उपदेश दिया।

उ.13 (i) जहांआरा मुगल बादशाह शाहजहां की पुत्री थी जिसका वास्तुकलात्मक परियोजनाओं में पर्याप्त योगदान रहा। (3)

- (ii) उसने नई राजधानी शाहजहांना बाद (दिल्ली) के निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
- (iii) उसने चांदनी चौक की रुपरेखा तैयार करवाई।

अथवा

- उ.13 (i) इतिवृत्त मुगल साम्राज्य के अंतर्गत आने वाले सभी लोगों के सामने एक प्रबुद्ध राज्य के दर्शन की प्रयोजना के उद्देश्य से लिखे गये थे।
- (ii) इतिवृत्त साम्राज्य और दरबार के अध्ययन के महत्वपूर्ण स्रोत है।
- (iii) इनका उद्देश्य मुगल साम्राज्य के विरोधी लोगों को यह बताना था कि उनके सभी विरोधी का असफल होना निश्चित है।
- (iv) इतिवृत्तों के द्वारा बादशाह यह सुनिश्चित कर लेना चाहते थे कि भापी पीढ़ियों के लिए उनके शासन का विवरण उपलब्ध रहें।
- (v) सम्राट पर केन्द्रित घटनाओं, शासक के दरबार व अभिजात, युद्ध और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का वर्णन करना इतिवृत्तों का मुख्य उद्देश्य था।
- किन्ही तीन बिंदु पर पूरे अंक प्रदान करें।

उ.14 महात्मा गांधी ने खुद को आम लोगों जैसा दिखाने के लिए निम्नलिखित कार्य किये –

(3)

- (i) उन्होंने आम लोगों यथा किसान और मजदूरों के दुःख दूर करने के लिए चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद में आंदोलन का सूत्रपात किया।
- (ii) वे आम व्यक्ति की तरह भगवान की पूजा करने थे और जन सेवा में लगे रहते थे।
- (iii) गांधी जी ने आम लोगों की वेशभूषा धारण की। उन्होंने खादी के वस्त्र पहले, हाथ में लाठी उठाई, चरखा करता।
- (iv) हरिजनों के हितों, महिलाओं के प्रति सद्व्यवहार व्यक्त किया।
- (v) उन्होंने कहा कि किसानों और गरीब लोगों की समृद्धि और खुश होली के बिना देश की उन्नति नहीं हो सकती।

अथवा

उ.14 नमक कानून स्वतंत्रता संघर्ष का महत्वपूर्ण मुद्दा बनने के कारण –

- (i) महात्मा गांधी ने घोषणा की कि नमक मनुष्य की बुनियादी जरूरत है और सभी लोगों द्वारा प्रयोग किया जाता है। इस पर ब्रिटिश सरकार का एकाधिकार रहना मानव जाति के प्रति छोर अत्याचार है।
- (ii) नमक उत्पादन और विक्रय पर राज्य के एकाधिकार को तोड़ना आवश्यक है।
- (iii) लोगों को नमक बनाने से रोकना नागरिक अधिकारों का घोर दमन है। भारतीय घर में नमक का प्रयोग अपरिहार्य था। परन्तु इसके बावजूद उन्हें घरेलू प्रयोग के लिए नमक बनाने से रोका गया। फलस्वरूप लोगों को ऊँचे दामों पर नमक खरीदना पड़ता था।

उ.15 हड़प्पा सभ्यता में मनके बनाने के लिए प्रयुक्त पदार्थों की सूची –

(4)

- (i) कार्नीलियन
- (ii) जैस्पर
- (iii) स्फटिक
- (iv) क्वार्ट्ज
- (v) सेलखड़ी
- (vi) तांबा
- (vii) कोसा
- (viii) सोनोगै से धातुएं
- (ix) शंख
- (x) पकी मिट्टी
- (xi) फ्रियॉन्स

मनका बनाने की विधि – मनके बनाने की तकनीकों में प्रयुक्त पदार्थ के अनुसार भिन्नताएं थी। सेलखड़ी पत्थर से आसानी से मनके बनाये जा सकते थे, क्योंकि यह मुलायम पत्थर होता था। कुछ मनके सेलखड़ी चूर्ण के लेप को साँचे ढाल है तैयार किए जाते थे। ठोस पत्थरों के बनने वाले केवल ज्यामितीय आकारों छोड़कर इसमें अन्य कई आकारों के मनके बनाएं जा सकते थे।

अथवा

उ.15 मोहन जोदड़ो की विशिष्टतायें –

- (i) योजनाबद्ध – मोहन जोदड़ों सर्वाधिक योजनाबद्ध नगर है यहां खुदाई में मुर्दी के अस्थिपंजर मिले है यह नगर पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिंधु नदी के किनारे स्थित है। इस समय यह नगर दो टीलों पर स्थित है।
- (ii) चौड़ी सड़कें थी मुख्य सड़क 33 फुट चौड़ी थी। सड़क एक दूसरे को समकोण पर काटती है।
- (iii) जल निकास व्यवस्था – इस नगर की नालियां मिट्टी के गारे, चूने और जिप्सम की बनी हुई थी। इनको बड़ी ईंटों और पत्थरों से ढका गया है घरों का गंदा पानी इन नालियों के माध्यम से शहर के बाहर जाता।
- (iv) गृह वास्तु – कई भवनों के केन्द्र में आंगन थे जिसके चारों ओर कमरें बने थे। प्रत्येक घर में ईंटों का फर्श से बना स्नानघर था जिसकी नालियां सड़क की नालियों से जुड़ी हुई थी। छत पर जाने के लिए कई घरों में सीढ़ियां भी थी। कई घरों में कुएं भी थे।

उ.16 मगध साम्राज्य के शक्तिशाली होने के कारण थे –

(4)

- (1) महात्वाकांक्षी शासक
- (2) प्राकृतिक सम्पदा
- (3) अनुकूल स्थान पर राजधानी
- (4) सैनिक शक्ति
- (5) उपजाऊ भूमि

(व्याख्या करने पर पूर्ण अंक प्रदान करें।)

अथवा

उ.16 कृषि के तौर-तरीकों में परिवर्तन – उत्तर वैदिक काल में लोहे की खोज हो चुकी थी और सर्वप्रथम इसका प्रयोग हल के फाल और तीरों के फलक बनाने में किया गया। इससे कृषि के तौर-तरीकों में भारी परिवर्तन हुए। जिन क्षेत्रों में भारी वर्षा होती थी वहां उर्वर भूमि की जुताई लोहे के फाल वाले हलों से की जाने लगी। इसके अलावा गंगा घाटी में धान की रोपाई की वजह से उपज में भारी वृद्धि होने लगी। यद्यपि लोहे के फाल वाले हल की वजह से फसलों की उपज बढ़ने लगी लेकिन ऐसे हलों का उपयोग उपमहाद्वीप के कुद गिने-जुने भागों तक सीमित था। पंजाब और राजस्थान जैसी अर्ध शुष्क जमीन वाले क्षेत्रों में लोहे के फाल वाले हल का प्रयोग 20 वी शताब्दी में शुरू हुआ। पर्वतीय क्षेत्रों में किसानों ने कुडालों का उपयोग किया।

इस युग में उपज बढ़ाने के लिए सिंचाई के विभिन्न साधनों का उपयोग किया गया। कुंओ, तालाबों और नहरों जैसे सिंचाई साधन प्रायः राजा या प्रभावशाली लोगों ने विकसित किए। सुदर्शन झील का उल्लेख कई अभिलेखों में मिलता है।

उ.17 चारों वर्णों के लिए आदर्श 'जीविका' के नियम –

(4)

- (i) **ब्राह्मण** – अध्ययन, वेदों की शिक्षा, यज्ञ करना और करवाना तथा उनका काम दान देना ओर लेना था।
- (ii) **क्षत्रिय** – युद्ध करना, लोगों को सुरक्षा-प्रदान करना न्याय करना, वेद – पढ़ना, यज्ञ करवाना ओर दान-दक्षिणा देना था।
- (iii) **वैश्य** – क्षत्रियों के अंतिम तीन कार्य वैश्यों के लिए भी थे साथ ही उनसे कृषि, गौ पालन और व्यापार का कार्य भी अपेक्षित था।
- (iv) **शूद्र** – तीनों वर्णों की सेवा थी।

अथवा

- उ.17 (i) ब्राह्मण ग्रंथों के अनुसार केवल क्षत्रिय हो शासक हो सकते थे परंतु कई शासक परिवार ब्राह्मण या वैश्य भी थे। उदाहरणार्थ – पुष्य मित्र शुंग
- (ii) जाति से बाहर भी विवाह होते थे जबकि ब्राह्मणीय ग्रंथों में इसकी अनुमति नहीं थी।
- (iii) ब्राह्मणों को धनी दर्शाया जाता था परंतु सुदामा जैसे अति निर्धन ब्राह्मणों का उल्लेख भी है।
- (iv) स्त्रियों से अपेक्षा की जाती थी कि वे विवाह के पश्चात अपने गोत्र का त्याग कर देंगी और अपने पति का गोत्र अपना लेंगी। परंतु सात वाहन रानियों ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने अपने पिता के गोत्र को बनाये रखा।
- (v) कई ऐसे वर्ग थे जिनका पेशा वर्ण व्यवस्था से मेल नहीं खाता था, जैसे निषाद या धुमक्कड़ पशुपालक।

उ.18 वैदिक परिपाटी और तांत्रिक परिपाटी में संघर्ष की स्थिति के कारण –

(4)

- (i) वैदिक देव कुल के अग्नि, इन्द्र और सोम जैसे देवता पूर्णरूप से गौण हो गये थे। साहित्य और मूर्तिकला दोनों का निरूपण बंद हो गया था।
- (ii) वैदिक मंत्रों में विष्णु, शिव और देवी की झलक मिलती है और वेदों को प्रमाणिक माना जाता रहा। इसके बावजूद इनका महत्त्व कम हो रहा था।
- (iii) वैदिक परिपाटी के प्रशंसक ईश्वर की उपासना के लिए यंत्रों का उच्चारण और यज्ञों के संपादन से भिन्न आचरणों की निंदा करते थे।
- (iv) तंत्रिक पद्धति के लोग वैदिक सत्ता की अवहेलना करते थे। उनका बौद्ध अथवा जैन धर्म के अनुयायियों के साथ टकराव होता रहता था।
(किन्हीं चार व्याख्या करने पर पूर्ण अंक प्रदान करें।)

अथवा

उ.18 भक्ति आंदोलन के उदय के कारण –

- (1) हिंदू धर्म का विघटन
- (2) इस्लाम धर्म का खतरा
- (3) संतों का उदय
- (4) भक्ति मार्ग का सरल होना
- (5) जातिवाद का विरोध

(किन्हीं चार की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक प्रदान करें।)

- उ.19 महानवमी डिब्बा शहर की सबसे ऊंची संरचना थी। इसका आधार 11000 वर्ग फीट है मंच के आधार पर सुन्दर आकृतियां उत्कीर्ण हैं। इस ढांचे का सम्बन्ध 10 दिन चलने वाले हिंदू त्यौहार दशहरा (उत्तर भारत), दुर्गापूजा (बंगाल) तथा नवरात्रि या महानवमी (दक्षिण भारत) के साथ था। इस अवसर पर शासक अपनी शक्ति और वैभव का प्रदर्शन करता था। इसके अलावा अन्य धर्मानुष्ठानों में मूर्तिपूजा, राज्य के अश्व की पूजा, भैंसों और अन्य जानवरों की बलि शामिल हैं इस अवसर पर विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कार और उपहार दिए जाते थे। राजा, सेना का निरीक्षण भी करता था इन सबके बाबजूद महानवमी डिब्बा के विषय में स्पष्ट जानकारी अभी नहीं हो पाई है।

अथवा

- उ.19 **कमल महल** – शाही केन्द्र के सर्वाधिक आकर्षक भवनों में एक लोटस महल है। जिसका यह नामकरण 19 वीं शताब्दी में अंग्रेज यात्रियों ने किया था यह नाम रोमांचकारी है परंतु इतिहासकार इस संबंध में यह निश्चित नहीं कर पाये कि इस भवन का किस कार्य के लिए प्रयोग किया जाता था। मैकन्जी का सुझाव है कि यह भवन परिषदीय सदन था जहां राजा अपने परामर्शदाताओं से मिलता था।

हाथियों का अम्तबल – यह कमल महल के निकट ही स्थित था। ये अस्तबल समस्तरी थे इससे ज्ञात होता है विजयनगर के शासक हाथियों के शौकीन थे। हाथियों का प्रयोग सेना के अलावा अन्य कार्यों के लिए भी किया जाता था। अस्तबल में अनेक विशाल कक्ष या हाल थे। स्पष्ट है कि हाथियों की संख्या पर्याप्त थी।

- उ.20 1857 ई. के विद्रोह के निम्नांकित सैनिक कारण उत्तरदायी थे –

- (1) उच्च पदों पर भारतीयों को नियुक्त न करना –
 - (2) वेतन असमानता –
 - (3) सिपाहियों तथा पदाधिकारियों के साथ बुरा व्यवहार –
 - (4) सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम –
 - (5) चर्बी वाले कारवूस –
- (व्याख्या करने पर पूरे अंक प्रदान करें।)

अथवा

- उ.20 झांसी की रानी लक्ष्मीबाई अपने साहस और अन्यास के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रसिद्ध हैं। स्त्री होने के बाबजूद उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध अद्वितीय साहस का परिचय दिया। उन्होंने झांसी में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किया।

झांसी को अंग्रेजी साम्राज्य में मिलाये जाने के पश्चात् झांसी की रानी ने अंग्रेजों के विरुद्ध हथियार उठा लिया और अनेक स्थानों पर अंग्रेजों को पराजित किया। उसकी बहादुरी देखकर अंग्रेज सेनापति भी दंग रह गया। रणभूमि में वीरता के साथ लड़ते हुए उसने अपने प्राण त्याग दिए।

उ.21 भारतीय संविधान में जहां एक ओर संधात्मक शासन की स्थापना की गई है वहीं दूसरी ओर केन्द्र को और अधिक शक्तिशाली बनाया गया है। इसके निम्नलिखित कारण हैं – (4)

- (i) विदेशी आक्रमण का मुकाबला करने के लिए
 - (ii) राष्ट्रीय एकता की स्थापना के लिए
 - (iii) भारतीय रियासतों की समस्या
 - (iv) देश की विभिन्न समस्याओं का सामना
 - (v) आर्थिक उन्नति के लिए
- (किन्हीं चार की व्याख्या करने पर पूरे अंक प्रदान करें।)

अथवा

उ.21 भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषतायें निम्नलिखित हैं –

- (1) लिखित एवं विशालतम संविधान
 - (2) सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, धर्म निरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना
 - (3) संसदीय शासन प्रणाली
 - (4) स्वतंत्र न्यायपालिका
 - (5) मौलिका अधिकार
 - (6) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
- (किन्हीं चार की व्याख्या करने पर पूरे अंक प्रदान करें।)

उ.22 सांची के स्तूप के संरक्षण में भोपाल की बेगमों की भूमिका – (5)

- (i) भोपाल के शासकों, शाहजहां बेगम और उनकी उत्तराधिकारी सुल्तानजहां बेगम का सांची स्तूप के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने प्राचीन स्थल के रखरखाव के लिए आर्थिक अनुदान दिया।
- (ii) जॉन मार्शल द्वारा सांची के स्तूप पर लिखे गए विस्तृत ग्रंथ के प्रकाशन में सुल्तान जहां बेगम ने अनुदान दिया। यही कारण था कि जॉन मार्शल ने अपने महत्वपूर्ण ग्रंथ को सुल्तान जहां को समर्पित किया।
- (iii) सुल्तान जहां बेगम ने वहां पर एक संग्रहालय और अतिथिशाला बनाने के लिए अनुदान दिया।
- (iv) भोपाल की बेगमों के प्रयास से सांची का स्तूप सुरक्षित रहा और किसी अन्य के हाथ में नहीं जा सका।
- (v) फ्रांसीसियों और अंग्रेजों ने भोपाल के शासकों से उसके पूर्वी तोरणद्वार की मांग की थी मगर बड़ी चतुराई से उन्हें प्लास्टर प्रतिकृति देकर संतुष्ट किया गया और सांची के स्तूप का संरक्षण किया गया।

अथवा

उ.22 जैन धर्म की महत्त्वपूर्ण शिक्षायें –

(1) पंचमहाव्रत –

(1) अहिंसा

(2) सत्य

(3) अस्तेय

(4) अपरिग्रह

(5) ब्रह्मचर्य

(2) ईश्वर में अविश्वास

(3) वेदों में अविश्वास

(4) पुनर्जन्य कर्म में विश्वास

(5) कठिन तपस्या और आत्म त्याग

(6) निर्वाण की प्राप्ति

(व्याख्या करने पर पूर्ण अंक प्रदान करें।)

उ.23 प्रारम्भिक भक्ति परम्परा के स्वरूप की विशेषतायें –

(5)

(i) देवताओं की पूजा के तरीकों विकास के दौरान संत कवि ऐसे नेता के रूप में 3 दिन हुए जिनके आस-पास भक्त जनों की भीड़ लगी रहती थी। इन्हीं के नेतृत्व में प्रारम्भिक भक्ति आंदोलन आरंभ हुआ।

(ii) भारतीय भक्ति परम्परा में विविधता थी। कुछ कृष्ण के भक्त थे तो कुछ राम के। कुछ सगुण उपासक थे तो कुछ निर्गुण।

(iii) भक्ति परम्परा में सभी वर्गों को स्थान दिया गया स्त्रियों और समाज के निम्न वर्गों को भी सहज स्वीकृति दी गयी।

(iv) इतिहासकारों ने भक्ति परम्परा को दो वर्गों में विभाजित किया है – सगुण भक्ति और निर्गुण भक्ति प्रथम वर्ग में शिव विष्णु और उनके अवतार और देवियों की मूर्त आराधना शामिल है। निर्गुण भक्ति परम्परा में अमूर्त अर्थात् निराकार ईश्वर की उपासना की जाती थी।

अथवा

उ.23 मध्यकालीन भारत में इस्लाम धर्म दो वर्गों – सुन्नी और शिया में बंट गया था। इनके बीच लगातार तनाव और संघर्ष की स्थिति बन रही थी। इस बढ़ते हुए वैमनस्य को दूर करने लिए कुछ मुसलमान सत्तों ने प्रेम एवं भक्ति पर बल दिया। ये सूफी संत कहलाए। सूफी मत मुस्लिम विचारकों का एक धार्मिक संगठन है, जो जनसाधारण को भौतिक जीवन से दूर रहकर सरल और संयमित जीवन व्यतीत करने पर बल देता है। सूफी मतावलम्बियों के जीवन का मुख्य उद्देश्य परोपकार और दीन-दुखियों की सेवा करना था। सूफी मत के सिद्धांत इस प्रकार थे।

- (i) एकेश्वरवाद
 - (ii) मानव मात्र से प्रेम
 - (iii) बाह्य आउम्बरों का विरोध
 - (iv) कर्म सिद्धांत में विश्वास
 - (v) दैवी चमत्कार में विश्वास
 - (vi) गुरु की महिमा पर बल
 - (vii) प्रेम को विशेष महत्त्व
- (व्याख्या करने पर पूरे अंक प्रदान करें।)

उ.24 (i) भारतीय उपमहाद्वीप में विशेषकर शासक वर्ग में बहुविवाह प्रथा प्रचलित थी। इससे मुगल सम्राटों को कुछ सीमा तक लाभ हुआ। मुगल सम्राटों ने राजपूत घरानों में शादियाँ की जिससे उन्हें राजपूतों एक समर्थन मिला और अपने विशाल साम्राज्य की सुरक्षा की यद्यपि मुगल राजाओं की विभिन्न पटिनियों का दर्जा अलग-2 था परंतु सवने एक अच्छी पत्नी की भूमिका निमाई।

(5)

- (ii) पत्नियों के अतिरिक्त मुगल परिवार में अनेक महिला तथा पुरुष गुलाम थे। ये छोटे काम से लेकर कौशल निपुणता तथा बुद्धिमता के अलग – अलग कार्यों का संपादन करते थे।
- (iii) नूरजहां के बाद मुगल रानियों और राजकुमारियों ने महत्त्वपूर्ण वित्तीय स्रोतों पर नियन्त्रण रखना शुरू कर दिया।
- (iv) मुगल साम्राज्य की स्त्रियों नरे इमारतों और बागों के निर्माण में भी रुचि ली थी उदाहरण के लिए – चादनी चौक की रुपरेखा जहां आरा द्वारा बनवाई गई।
- (v) अनेक पारिवारिक संघर्षों को सुलझाने में परिवार को बुजुर्ग स्त्रियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। हुमायूनामा में इसकी स्पष्ट झलक मिलती है।

अथवा

उ.24 मुगल दरबार से जुड़े दैनिक कर्म और विशेष उत्सवों के दिन मुगल दरबार वह स्थान था जहां सिहोसन या तरवत यह आभास कराता था कि इस पर सम्पूर्ण धरती टिकी है। यह निम्नलिखित बातों से स्पष्ट है।

- (i) इतिवृत्तों में सम्राट मुगल वर्गों के बीच हैसियत को निर्धारित करने वाले नियमों को स्पष्टता से प्रकट किया गया है।
- (ii) दरबार में सम्राट के निकटवर्ती ही उसके निकट बैठते थे। दरबारी समाज में मान्य संबोधन—शिष्टाचार तथा बोलने के नियम ध्यान पूर्वक निर्धारित किये गये थे। शिष्टाचार उल्लंघन पर कठोर दण्ड दिया जाता था।
- (iii) दरबार में अभिवादन पदानुक्रम के अनुसार विभिन्न प्रकार का होता था जिस व्यक्ति के सामने अधिक झुककर अभिवादन किया जाता था उस व्यक्ति की हैसियत उतनी ही अधिक ऊंची मानी जाती थी। यहां तक कि राजनीतिक दूत भी झुककर ही सम्राट को अभिवादन करता था।
- (iv) शाही सत्ता की स्वीकृति को अधिक विस्तृत करने के लिए अकबर ने झरोखा दर्शन की प्रथा शुरू की। सूर्यास्त के समय व्यक्तिगत धार्मिक प्रार्थनाओं के पश्चात सम्राट पूर्व की ओर मुंह किये एक झरोखा के सामने आता था। झरोखा दर्शन एक घंटे का होता था।
- (v) शाही परिवार के उत्सव और विवाह धूमधाम से होते थे और लोग खूब उपहार देते थे। कहा जाता है कि दाराशिकोह और नादिरा के विवाह में 32 लाख रुपये खर्च हुए थे।

उ.25 राष्ट्रीय आंदोलन के अध्ययन में अरबबार का महत्त्व —

(5)

- (i) इनसे देश में होने वाली घटनाओं, नेतागणों और अन्य लोगों की गतिविधियां विचारों आदि की जानकारी मिलती है।
- (ii) उदाहरण के लिए—नमक आंदोलन के विषय में अमेरिकी समाचार पत्रिका 'टाइम' का आरंभ में गांधी जी हंसी उड़ाना है परंतु बाद में इस आंदोलन से अंग्रेज शासकों की नींद हराहोने की बात करना स्वयमेव दर्शाता है कि वह आंदोलन कितना प्रभावशाली था इससे आंदोलन फारियों का मनोबल बढ़ा होगा।
- (iii) जनसंचार के महत्वपूर्ण साधन होने के कारण अरबबार प्रबुद्ध लोगों, लेखकों, कवियों, पत्रकारों साहित्यकारों और विचारकों के नजदीक लाकर आम—जनता को एक नई दिशा में आगे बढ़ाते हैं।
- (iv) अरबबार जनमत का निर्माण और इनकी अभिव्यक्ति करते हैं। यह सरकार और सरकारी अधिकारियों तथा — आम—लोगों के विचारों और समस्या के विषय में जानकारी देकर व्यक्ति स्तर पर श्रेष्ठ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

अथवा

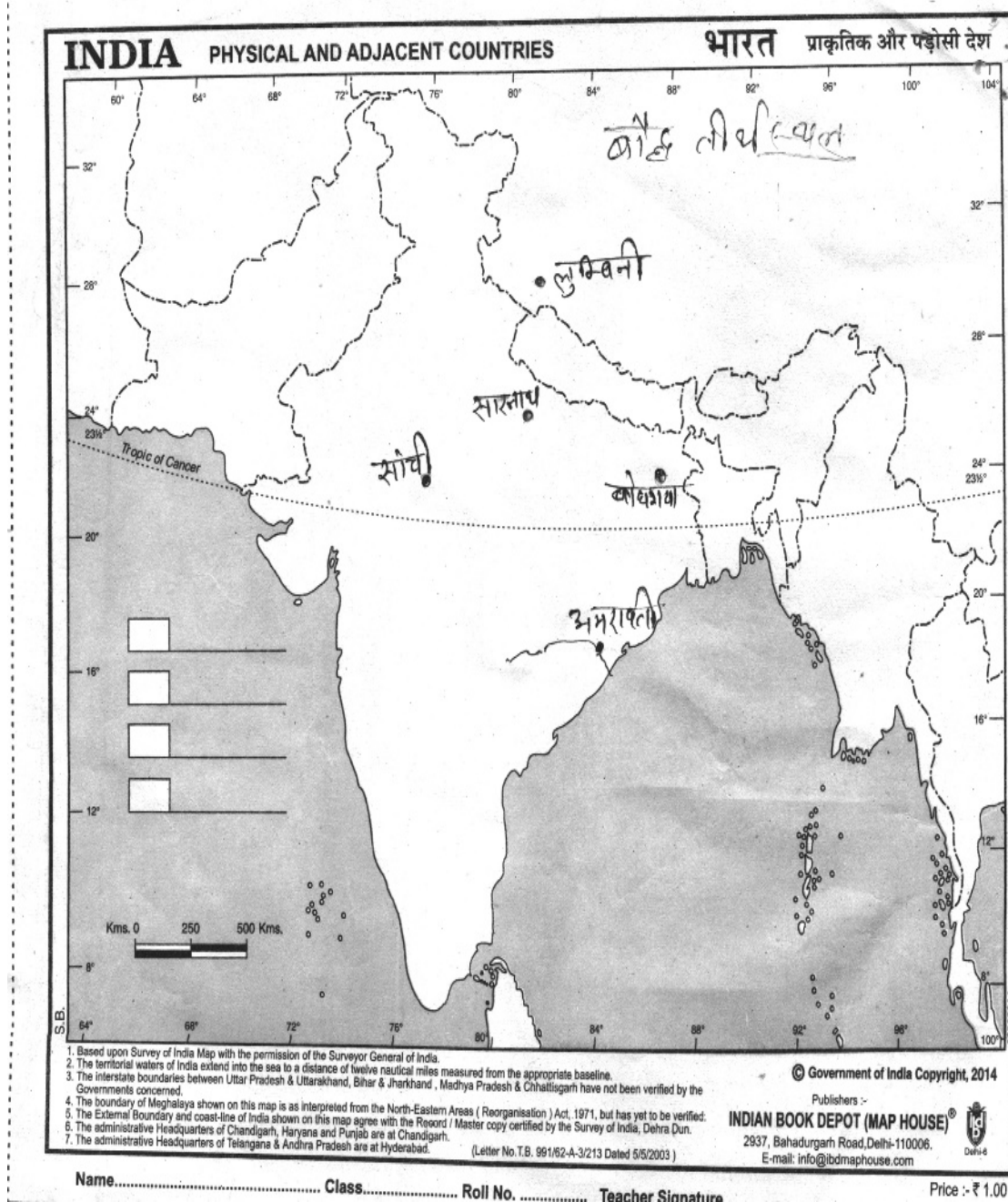
उ.25 महात्मा गांधी द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन के स्वरूप में बदलाव –

- (1) 1915 में भारत आकर गांधी जी ने आंदोलन के निम्नलिखित पहलू तय किए –
 - (i) सत्याग्रह
 - (ii) अहिंसा
 - (iii) शांति
 - (iv) गरीबों के प्रति सच्ची सहानुभूति
 - (v) महिलाओं का सशक्ति करण
 - (vii) साम्प्रदायिक सदभाव
 - (vii) अस्पृश्यता का विरोध
 - (viii) कल्याणकारी कार्यक्रम
 - (ix) कुटीर उद्योग धंधे
 - (x) चरखा, खादी आदि को अपनाने पर बल
 - (xi) 'रंग भेद' और जाति भेद का विरोध
- (2) महात्मा गांधी ने अपने भाषणों को देकर और पत्र – पत्रिकाओं लेख छपवाकर एवं पुस्तकों के माध्यम से औपनिवेशिक शासन में भुखमरी, निम्न जीवन स्तर, अशिक्षा अंधविश्वास और सामाजिक फूट के कारणों का खुला पर्दाफाश किया तथा इसके लिए ब्रिटिश सरकार को ही एक मात्र दोषी सचित कर दिया।
- (3) गांधीजी ने राष्ट्रीय आंदोलन में ग्रामीण लोगों श्रमिकों सर्व साधारण महिलाओं और युवाओं सभी को शामिल कर लिया था। वे मानते थे कि जब तक ये सभी लोग राष्ट्रीय संघर्ष से नहीं जुड़ेंगे तब तक ब्रिटिश सत्ता में शांति पूर्ण अहिंसात्मक आंदोलनों और सत्याग्रहों आदि से नहीं हटाया जा सकता।
- (4) गांधीजी ने अहमदाबाद और खेड़ा में गरीब किसानों और श्रमिकों के लिए आंदोलन चलाकर यह सिद्ध कर दिया था कि वे आम जनता के साथ हैं।
- (5) गांधीजी ने हिंदू मुस्लिम एकता पर भी जोर दिया। असहयोग आंदोलन के साथ खिलाफत आंदोलन को जोड़कर उन्होंने साबित कर दिया था कि एकता रहने पर ही स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है।
- (6) उन्होंने स्त्रीयों और पुरुषों दोनों को आंदोलन में समान रूप से जोड़ा।

उ.25 भारत के मानचित्र पर बौद्ध स्थलों लुम्बिनी, बोध गया, सारनाथ, सांची और अमरावती को अंकित—

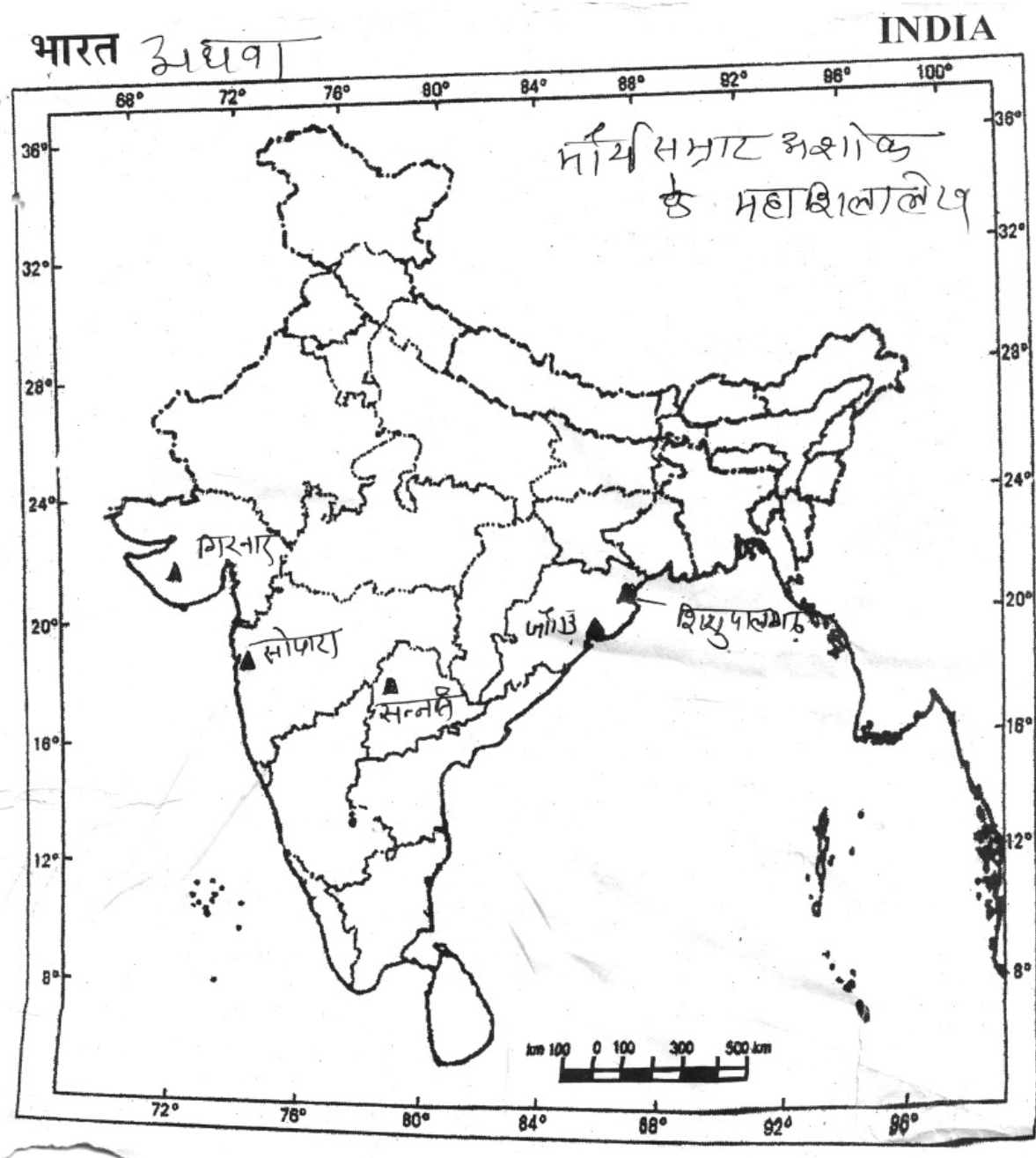
(5)

मानचित्र —



अथवा

उ.25 भारत के मानचित्र पर मौर्य सम्राट अशोक द्वारा उत्कीर्ण कराये गए महाशिलालेखों के स्थानों को अंकित -



हायर सेकेण्डरी परीक्षा, दिसम्बर-2021

110

विषय : इतिहास

Subject: HISTORY

(Hindi & English Versions)

समय : 03 घण्टे
Time: 03 Hours

पूर्णांक : 100
Maximum Marks: 100

निर्देश :-

- (i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।
- (ii) प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, प्रत्येक के 5 अंक निर्धारित हैं।
- (iii) प्रश्न क्र. 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है एवं प्रत्येक का उत्तर 30 शब्दों में लिखिए।
- (iv) प्रश्न क्र. 11 से 14 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है एवं प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 75 शब्दों में लिखिए।
- (v) प्रश्न क्र. 15 से 21 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है एवं प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 120 शब्दों में लिखिए।
- (vi) प्रश्न क्र. 22 से 25 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है एवं प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखिए।
- (vii) प्रश्न क्र. 26, 5 अंक का है। कोई एक मानचित्र हल कीजिए।

Instructions:

- (i) All questions are compulsory.
- (ii) Question No. 1 to 5 are objective type each question is allotted 5 marks.
- (iii) Question No. 6 to 10 carry 2 marks each and answer should be written in about 30 words each.
- (iv) Question No. 11 to 14 carry 3 marks and answer should be written in about 75 words each.
- (v) Question No. 15 to 21 carry 4 marks and answer should be written in about 120 words each.
- (vi) Question No. 22 to 25 carry 5 marks each and answer should be written in about 150 words each.
- (vii) Question No. 26 also carry 5 marks. Solve any one map.

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए –

(5×1=5)

- (1) किसके अभिलेख में भूमिदान का उल्लेख मिलता है?
(अ) अशोक (ब) समुद्रगुप्त
(स) प्रभावती गुप्त (द) इन सभी के
- (2) वैष्णववाद में भगवान विष्णु के कितने अवतारों की कल्पना की गई है?
(अ) दस (ब) आठ
(स) नौ (द) बारह
- (3) महानवमी पर्व कहाँ मनाया जाता है?
(अ) उत्तरी भारत में (ब) प्रायद्वीपीय भारत में
(स) पूर्वी भारत में (द) पश्चिमी भारत में
- (4) महात्मा गांधी को सर्वप्रथम 'महात्मा' किसने कहा?
(अ) रवीन्द्रनाथ टैगोर (ब) पं. जवाहर लाल नेहरू
(स) बाल गंगाधर तिलक (द) मोहम्मद अली जिन्ना
- (5) 'काला विधेयक' किसे कहा जाता है?
(अ) रोलेट एक्ट (ब) इल्बर्ट बिल
(स) 1919 का एक्ट (द) 1935 का एक्ट

Choose correct among the following -

- (1) In whose record is 'Bhoomidan' mentioned?
(A) Ashoka (B) Samudra Gupta
(C) Prabhavati Gupta (D) All of the above
- (2) How many avatars of Lord Vishnu are imagined in Vaishnavism?
(A) Ten (B) Eight
(C) Nine (D) Twelve
- (3) Mahanavami festival is celebrated in -
(A) Northern India (B) Peninsular India
(C) Eastern India (D) Western India
- (4) Who termed the coined "Mahatma" for Mahatma Gandhi?
(A) Rabindranath Tagore (B) Pt. Jawaharlal Nehru
(C) Bal Gangadhar Tilak (D) Muhammad Ali Jinnah
- (5) Which Bill is called 'Black-Bill'?
(A) Rowlatt Act (B) Ilbert Bill
(C) Act of 1919 (D) Act of 1935

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(5×1=5)

- (1) भारतीय पुरातत्व के जनक को कहा जाता है।
- (2) सुदर्शन झील का पुनर्निर्माण द्वारा कराया गया।
- (3) हजारा राम मंदिर राज्य में स्थित था।
- (4) नस्तलिक की पसंदीदा शैली थी।
- (5) उद्देश्य प्रस्ताव को पेश किया गया।

Fill in the blanks -

- (1) is called the father of Indian Archaeology.
- (2) Redevelopment of Sudarhan lake was done by
- (3) Hazara Ram Mandir is situated in State.
- (4) Nastaliq was the favourite script of
- (5) Objective proposal was presented before

प्र.3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिए –

(5×1=5)

- (1) हड़प्पा लिपि के कितने चिह्न मिले हैं?
- (2) तालीकोट युद्ध का नेतृत्व किसने किया था?
- (3) सविनय अवज्ञा आंदोलन कब शुरू हुआ?
- (4) संविधान सभा में हिंदी का समर्थन किसने किया था?
- (5) भारतीय संविधान कब अस्तित्व में आया?

Answer the following questions in one word or one sentence.

- (1) How many signs have been found of the 'Harappan Script'?
- (2) Who led the Talikota war?
- (3) When did Civil Disobedience Movement start?
- (4) Who supported Hindi language in the Constituent Assembly?
- (5) When did the Indian Constitution came into existence?

प्र.4 सही जोड़ी बनाइए –

(5×1=5)

‘अ’

- (1) पियदस्सी
- (2) करइक्काल अम्मइयार
- (3) विट्ठल
- (4) बेगम हज़रत महल
- (5) चंपारण और खेड़ा

‘ब’

- (i) अंग्रेजों के विरुद्ध किसान आंदोलन हुए
- (ii) विष्णु का एक रूप
- (iii) अशोक की उपाधि
- (iv) नयनार संत
- (v) लखनऊ

Match the following -

‘A’

- (1) Piyadassi
- (2) Karaikkal Ammaiyar
- (3) Vitthal
- (4) Begum Hazrat Mahal
- (5) Champaran and Kheda

‘B’

- (i) Farmer's Revolution against the British happened
- (ii) A form of Vishnu
- (iii) A degree of Ashoka
- (iv) Nayanar saint
- (v) Lucknow

प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों के सत्य/असत्य लिखिए।

(5×1=5)

- (i) समाज में पितृवंशिक व्यवस्था महाभारत की रचना से पहले भी मौजूद थी।
- (ii) विजयनगर नर्मदा नदी के किनारे स्थित है।
- (iii) ‘शाहजहानाबाद’ नामक नवीन नगर की स्थापना मुगल सम्राट शाहजहान ने की थी।
- (iv) विद्रोही सिपाहियों ने बहादुरशाह द्वितीय को भारत का सम्राट घोषित किया था।
- (v) स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल थे।

State true or false -

- (1) There was a patriarchal society in India even before the composition of Mahabharata.
- (2) Vijayanagar is situated on the bank of Narmada river?
- (3) The new town named ‘Shahjahanabad’ was established by the Mughal Emperor Shah Jahan.
- (4) The rebel soldiers declared Bahadur Shah II was the ruler of India.
- (5) Sardar Vallabhbhai Patel was the first Home Minister of free India.

प्र.6 हड़प्पाई लोगों की कब्रों में मिली किन्हीं चार वस्तुओं का उल्लेख कीजिए। (2)

Describe any four objects found in the graves of the Harappan people.

अथवा / OR

हड़प्पा सभ्यता के लोगों के शिल्प कार्यों के नाम लिखिए।

Name the craft works of the people of the Harappan civilization.

प्र.7 समूह शासन का क्या अर्थ है? (2)

What do you mean by Oligarchy?

अथवा / OR

प्राचीन चोल राज्य के विषय में आप क्या जानते हैं?

What do you know about the Ancient Chola Kingdom?

प्र.8 गोत्र क्या है? इसके क्या नियम हैं? (2)

What is Gotra? What are its rules?

अथवा / OR

महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण कब और किसके नेतृत्व में शुरू हुआ?

The critical edition of Mahabharata was started when and under whose leadership?

प्र.9 “बंगाल आर्मी की पौधशाला” किसे कहा गया और क्यों? (2)

Who was called “the Nursery of Bengal Army” and why?

अथवा / OR

अवध के अधिग्रहण से ताल्लुकदारों पर क्या प्रभाव पड़ा?

What was the effect of Awadh Acquisition on the Taluqdars?

प्र.10 भारतीय संविधान सभा के प्रमुख सदस्यों के नाम बताइए। (2)

Name the chief members of the Constituent Assembly of India.

अथवा / OR

भारतीय संविधान किस अवधि में सूत्र बद्ध किया गया?

In which period the Indian Constitution was formulated?

प्र.11 स्तूप क्यों और कैसे बनाए जाते थे? (3)

Why and how were the stupas made?

अथवा / OR

अमरावती स्तूप के विषय में आप क्या जानते हैं?

What do you know about the Amaravati Stupa?

प्र.12 शरिया क्या है? यह किस प्रकार उदभूत हुआ? (3)

What is Sharia? How did it arose?

अथवा / OR

‘सूफी सम्प्रदाय और भक्ति सम्प्रदाय के विचारों में पर्याप्त समानता मिलती है।’ किन्हीं तीन का उल्लेख कीजिए।

There are many similarities in the Sufi cult and the Bhakti cult. Describe any three.

प्र.13 जहांआरा कौन थी? वास्तुकलात्मक परियोजनाओं में उसका क्या योगदान था? (3)

Who was Jahanara? What was her contribution to architectural projects?

अथवा / OR

इतिवृत्तों की रचना के उद्देश्य बताइए।

Explain the role of Chronicles.

प्र.14 महात्मा गांधी ने खुद को आम लोगों जैसा दिखाने के लिए क्या किया? (3)

What did Mahatma Gandhi do to present himself as the common man?

अथवा / OR

नमक कानून स्वतंत्रता संघर्ष का महत्वपूर्ण मुद्दा क्यों बन गया?

Why did the Salt Law became an important issue in the freedom struggle?

प्र.15 हड़प्पा सभ्यता में मनके बनाने के लिए प्रयुक्त पदार्थों की सूची बनाइए। कोई भी एक प्रकार का मनका बनाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। (4)

List the items required to make Mankas in the Harappan civilization? Describe any one method to make Manka.

अथवा / OR

मोहनजोदड़ो की कुछ विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए।

Describe any specifics of the Mohenjo-daro?

प्र.16 मगध साम्राज्य के शक्तिशाली होने के क्या कारण थे? (4)

What were the reasons behind the Magadha Empire becoming powerful?

अथवा / OR

वर्णित काल में कृषि के तौर-तरीकों में किस हद तक परिवर्तन हुए?

What were the changes in agricultural practices in the before vedic era?

प्र.17 चारों वर्णों के आदर्श जीविका से जुड़े नियमों का उल्लेख कीजिए। (4)

Describe the various rules related to the lifestyle of all the four Varnas.

अथवा / OR

“प्राचीन काल में ब्राह्मणीय ग्रंथों के नियमों का सभी जगह पालन नहीं होता था।” पुष्टि कीजिए।

‘All the rules of Brahmanical texts were not universally followed in the Ancient period.’ Describe.

प्र.18 वैदिक परिपाटी और तांत्रिक परिपाटी में संघर्ष की स्थिति क्यों उत्पन्न हो जाती थी? (4)

Why were situations of struggle generated between the Vedic tradition and the Tantric tradition?

अथवा / OR

भक्ति आंदोलन के उदय के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

Classify the reasons for the rise of the Bhakti Movement.

प्र.19 आपके विचार में महानवमी डिब्बा से संबद्ध अनुष्ठानों का क्या महत्त्व था? (4)

What do you think was the significance of the rituals associated with the Mahanavami dibba?

अथवा / OR

कमल महल और हाथियों के अस्तबल जैसे भवनों का स्थापत्य हमें उनके बनवाने वाले शासकों के विषय में क्या बताता है जिसने उन्हें बनाया था?

What does the architecture of buildings like the Lotus Mahal and elephant stables tell us about the rulers who built them?

प्र.20 1857 ई. के महान विद्रोह के सैनिक कारण बताइए। (4)

Point out the Military Causes of the Great Revolt of 1857 AD.

अथवा / OR

1857 के विद्रोह में रानी लक्ष्मीबाई की क्या भूमिका रही? स्पष्ट कीजिए।

What was the role of Rani Laxmibai in the revolt of 1857? Explain.

प्र.21 भारत में संघात्मक व्यवस्था के साथ-साथ शक्तिशाली केन्द्र की स्थापना क्यों की गई? (4)

Why was federalism and a powerful centre established in India?

अथवा / OR

भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Describe the main characteristics of Indian Constitution.

- प्र.22 साँची के स्तूप के संरक्षण में भोपाल की बेगमों की भूमिका की चर्चा कीजिए। (5)

Discuss the role of Begums of Bhopal in the protection of the Stupas of Sanchi.

अथवा / OR

जैन धर्म की महत्वपूर्ण शिक्षाओं को संक्षेप में लिखिए।

Write briefly the important teachings of the Jainism?

- प्र.23 प्रारंभिक भक्ति परम्परा के स्वरूप की विशेषताएं बताइए। (5)

Describe the characteristics of the Initial forms of the Bhakti tradition.

अथवा / OR

सूफीमत क्या है? इसके सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

What is Sufism? Describe its doctrines.

- प्र.24 मुगल साम्राज्य में शाही परिवार की स्त्रियों द्वारा निभाई गई भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। (5)

Assess the role played by women of the royal family in the Mughal Empire.

अथवा / OR

मुगल दरबार से जुड़े दैनिक-कर्म और विशेष उत्सवों के दिनों में किस तरह बादशाह की सत्ता के भाव को प्रतिपादित कैसे किया होगा? स्पष्ट कीजिए।

How would the sense of authority of the emperor be expressed in the days of daily activities and special festivals associated with the Mughal Ruler? Explain.

- प्र.25 राष्ट्रीय आंदोलन के अध्ययन के लिए अखबार महत्वपूर्ण स्रोत क्यों हैं? (5)

Why are newspapers an important source for the study of the National Movement?

अथवा / OR

महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीय आंदोलन के स्वरूप को किस तरह बदल डाला? स्पष्ट कीजिए।

In what way did Mahatma Gandhi change the nature of the National Movement? Classify.

- प्र.26 भारत के मानचित्र पर बौद्ध स्थलों लुम्बिनी, बोध गया, सारनाथ, सांची और अमरावती को अंकित कीजिए। (5)

Point the following Buddhist places on the Indian map -
Lumbini, Bodhgaya, Sarnath, Sanchi, Amravati.

अथवा / OR

भारत के मानचित्र पर मौर्य सम्राट अशोक द्वारा उत्कीर्ण कराये गए महाशिलालेखों के स्थानों को अंकित कीजिए -

- | | | |
|------------|----------------|--------------|
| (i) गिरनार | (ii) सोपारा | (iii) सन्तति |
| (iv) जौगड़ | (v) शिशुपालगढ़ | |

Point on the Indian map various inscriptions made by the Maurya ruler Ashoka-

- | | | |
|-------------|-------------------|-------------|
| (1) Girnar | (2) Saupara | (3) Santati |
| (4) Jaugarh | (5) Shishupalgarh | |
